## रिल विद्युतीकरण के शताब्दी वर्ष पर कोर में कार्यक्रम का शुभारम्भ

(सहज स्वराज्य संवाददाता)

प्रयागराज।पहिये के आविष्कार के साथ ही दनिया भी प्रगति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने लगी इस रफतार को नई दिशा सितम्बर 1825 में दनिया की पहली ट्रेन चला कर मिली। इसी क्रम में 16 अप्रैल 1853 को वह दिन भी आया जब भारत में पहली बार ट्रेन चलाई गई। इसके करीब 72 वर्षी बाद 3 फरवरी 1925 में भारतीय रेल ने एक और अध्याय जोडते हुए पहली बार छत्रपति शिवाजी महाराज टॅमिनस से कुर्ला, मुम्बई तक बिजली से चलने वाली ट्रेन चलाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। अब साल २०२५ भारत में रेल विदयतीकरण के 100 साल परे होने के साथ. भारत अपने ब्राड गेज नेटवर्क के 100 प्रतिशत विदयतीकरण के कगार पर है जो भारतीय रेंठ की उपलब्धियों में एक मील का पत्थर है। यह उपलब्धि भारत में पहली रेठ यात्रा के समान ही एतिहासिक है तथा भारतीय रेल के

विदयतीकरण में एक सदी की प्रगति का

'60 के दशक में तेल संकट के दौरान कई विदय्तीकरण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी, जिसके परिणामस्वरूप 1961 में एक संगठन के रूप में रेल विदयतीकरण की स्थापना की गई थी, जिसका उद्देश्य भारतीय रेल की पटरियों का विदयतीकरण करना था। शुरू में कोलकाता में स्थित इकाई की रेल विदयतीकरण के लिए परियोजना कार्यालय (झ्टी) कहा जाता था, इन परियोजनाओं के नियंत्रण हेत् इलाहाबाद में केंद्रीय रेल विदय्तीकरण संगठन का कार्यालय वर्ष 1979 में स्थापित किया गया था। जैसे-जैसे अधिक से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, नए परियोजना कार्यालय भी स्थापित किए गए। अपनी स्थापना के बाद से 46 वर्षी में भारतीय रेल के तेजी से विदय्तीकरण के साथ, कोर ने इस प्रयास में एक

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और कुल 48,029 रूट किलोमीटर के विदयतीकरण कार्य को किया है; जो कुल विद्युतीकरण

कार्यका ७६इ प्रतिनिधित्व करता है। पिछले 10 वर्षी में, कोर ने विदयतीकरण में अभूतपूर्व गति दिखाई है और अकेले ही 26.441 रुट किलोमीटर का विदयतीकरण कार्य करके भारतीय रेल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान

वेत्र उपलक्षय में केन्द्रीय रेल विदयतीकरण संगठन, प्रयागराज विभिन- कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक

03 फरवरी 2025 को श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक/कोर द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम कोर मुख्यालय में



बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। रेल विद्युत कर्षण के 100 वर्षी के उत्सव प्रतीक रूप में रंग-बिरंगे गुब्बारे

के संदेश के साथ पौधे वितरित किए आकर्षक एवं रंग-बिरंगी रंगोली बनाई गई.

जिसमें रेल विदयुत कर्षण की ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाया गया. 100 वर्ष के पतीक चिह्न के साथ कप. डायरी और जुट बैग का वितरण सभी कीर परिवार के अधिकारियों और कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह के स्वरूप प्रदान किया गया. जो इस ऐतिहासिक उपलब्धि की यादगार है। यह आयोजन रेल विद्युत कर्षण की शताब्दी को चिहित करने और रेल के विकास में इसके योगदान को रेखांकित करने

के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।महाप्रबंधक महोदय ने अपने संदेश में कहा कि इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के 100

लिए गर्व का क्षण है। इस उलेखनीय यात्रा ने रेल परिवहन को बदल दिया है। कोर ने रेल विदयतीकरण में तेजी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसने हरित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस विशेष अवसर पर में उन सभी अधिकारियों और कर्मनारियों के पति हार्दिक आभार व्यक्त करता है जिनके समर्पण ने इस मील के पत्थर को संभव बनाया है। आइए हम पर्ण विदयतीकरण और ऊर्जा दक्षता के पति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखें जिससे भारतीय रेल को शढ़ शून्य

कार्वन भविष्य की ओर हे जाया जा सके। रामारोह में कोर के महाप्रबंधक के साथ-साथ सम्मानित अधिकारी कर्मचारी सदस्य और रेल विदय्तीकरण महिला कत्याण संगठन (रीवो) की अध्यक्षा श्रीमती वन्दना श्रीवास्तव व अन्य रीवो सदस्यायँ भी उपरिधत थी।

## एन्मायाधीशा । डि०-०५-०२-२०२५

रेल विद्युतीकरण के शताब्दी वर्ष पर कोर में कार्यक्रम का शुभारम्भ

प्रयागराज।पहिये के आविष्कार के साथ ही दुनिया भी प्रगति की दिशा में तेजीं से आगे बढ़ने लगी इस रफ्तार को नई दिशा सितम्बर 1825 में दुनिया की पहली ट्रेन चला कर मिली। इसी क्रम में 16 अप्रैल 1853 को वह दिन भी आया जब भारत में पहली बार ट्रेन चलाई गई। इसके करीब 72 वर्षों बाद 3 फरवरी 1925 में भारतीय रेल ने एक और अध्याय जोड़ते हुए पहली बार छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से कूर्ला, मुम्बई तक विजली से चलने वाली ट्रेन चलाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। अब साल



2025 भारत में रेल विद्युतीकरण के दशक में तेल संकट के दौरान विद्युतीकरण कार्य को किया है, वर्ष पूरे होना भारतीय रेल और ्कुल 48,029 रूट किलोमीटर के बिरंगी रंगोली बनाई गई, जिसमें भी उपस्थित थीं।

के 100 साल पूरे होने के साथ, कई विद्युतीकरण परियोजनाओं की जो कुल विद्युतीकरण कार्य का कोर के लिए गर्व का क्षण है। इस भारत अपने ब्रांड गेज नेटवर्क के मंजूरी दी गई थी, जिसके 76इ प्रतिनिधित्व करता है। पिछले उल्लेखनीय यात्रा ने रेल परिवहन 100 प्रतिशत विद्युतीकरण के कगार परिणामस्वरूप 1961 में एक 10 वर्षों में, कोर ने विद्युतीकरण को बदल दिया है। कोर ने रेल पर है जो भारतीय रेल की उपलिख्यों संगठन के रूप में रेल विद्युतीकरण में अभूतपूर्व गति दिखाई है और विद्युतीकरण में तेजी लाने में में एक मील का पत्थर है। यह की स्थापना की गई थी, जिसका अकेले ही 26,441 रूट किलोमीटर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसने उपलब्धि भारत में पहली रेल यात्रा उद्देश्य भारतीय रेल की पटरियों का विद्युतीकरण कार्य करके हरित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण के समान ही एतिहासिक है तथा का विद्युतीकरण करना था। शुरू भारतीय रेल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस विशेष भारतीय रेल के विद्युतीकरण में एक में कोलकाता में स्थित इकाई को योगदान दिया है। इस शताब्दी वर्ष अवसर पर, में उन सभी अधिकारियों सदी की प्रगति का प्रतीक भेगार्थ रेल विद्युतीकरण के लिए परियोजना के उपलक्ष्य में केन्द्रीय रेल और कर्मचारियों के प्रति हार्दिक कार्यालय (PORE) कहा जाता विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज आभार व्यक्त करता हूँ जिनके समर्पण था, इन परियोजनाओं के नियंत्रण विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर ने इस मील के पत्थर को संभव हेत् इलाहाबाद में केंद्रीय रेल रहा हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ बनाया है। आइए हम पूर्ण विद्युतीकरण संगठन का कार्यालय दिनांक 03 फरवरी 2025 को संजय विद्युतीकरण और ऊर्जा दक्षता के था। जैसे-जैसे अधिक से अधिक द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम जिससे भारतीय रेल को शुद्ध-शून्य परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, कोर मुख्यालय में बड़े उत्साह के कार्बन भविष्य की ओर है जाया नए परियोजना कार्यालय भी साथ आयोजित किया गया। रेल जा सके। समारोह में कोर के स्थापित किए गए। अपनी स्थापना विद्युत कर्षण के 100 वर्षों के उत्सव महाप्रवंधक के साथ-साथ सम्मानित के बाद से 46 वर्षों में भारतीय प्रतीक रूप में रंग-बिरंगे गुब्बारे अधिकारी, कर्मचारी सदस्य और रेल के तेजी से विद्युतीकरण के आकाश में छोड़े गये, पर्यावरण रेल विद्युतीकरण महिला कल्याण साथ, कोर ने इस प्रयास में एक संरक्षण के संदेश के साथ पौधे संगठन (रीवो) की अध्यक्षा वन्दना महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और वितरित किए, आकर्षक एवं रंग- श्रीवास्तव व अन्य रीवो सदस्याये

रेल विदात कर्षण की ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाया गया, 100 वर्ष के प्रतीक चिह्न के साथ कप, डायरी और जट बैग का वितरण सभी कोर परिवार के अधिकारियों और कैर्मचारियों को स्मृति चिन्ह के स्वरूप प्रदान किया गया, जो इस ऐतिहासिक उपलब्धि की यादगार है। यह आयोजन रेल विद्युत कर्षण की शताब्दी को चिहित करने और रेल के विकास में इसके योगदान को रेखांकित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। महाप्रवंधक ने अपने संदेश में कहा कि 'इलेक्टिक टैक्शन के 100 वर्ष 1979 में स्थापित किया गया कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक/कोर प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखें;

## कोरमें रेल विद्युतीकरणके शताब्दी समारोहकी धूम, बांटे पौधे

के उपलक्ष्य में केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाया गया। आयोजित कर रहा है। कार्यक्रम का डायरी और जूट बैग का वितरण सभी करने और रेल के विकास में इसके गर्वकाक्षण है। इस उल्लेखनीय यात्रा व्यक्त करता हूं जिनके समर्पण ने इस संजय कुमार श्रीबास्तव ने किया। यह



कार्यक्रम कोर मुख्यालय में बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। रेल विद्युत कर्षण के १०० वर्षों के उत्सव प्रतीक रूप में रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गये। पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ पौधे वितरित किये गये। अकर्षक एवं रंग-बिरंगी रंगोली बनाई

जीएम ने की शुरुआत, आकाश में छोड़े गये गुब्बारे पर मैं उन सबी अधिकारियों और संघटन (कोर) विधिन्न कार्यक्रम १०० वर्ष के प्रतीक चिह्न के साथ कप, रेल विद्युत कर्षण की शताब्दी को चिह्नित होना भारतीय रेल और कोर के लिए कर्मचारियों के प्रति हार्दिक आधार

१९६१ में एक संघटन के रूप में रेल विद्यतीकरण की स्थापना की गई थी,

जिसका उद्देश्य भारतीय रेल की पटरियों का विद्युतीकरण करना था। तुरू

में कोलकाता में स्थित इकाई को रेल विद्युतीकरण के लिए परियोजना

कार्यालय कहा जाता था, इन परियोजनाओं के नियंत्रण हेत इलाहाबाद में

केंद्रीय रेल विद्यतीकरण संगठन का कार्यालय वर्ष १९७९ में स्वापित किया

गया था। जैसे-जैसे अधिक से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी दी गई

नए परियोजना कार्यालय भी स्थापित किए गए। अपनी स्थापना के बाद से

४६ वर्षी में भारतीय रेल के तेजी से विद्यतीकरण के साथ, कोर ने इस

प्रयास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निमाई है और कुल ४८,०२९ रूट किलोमीटर

के विद्युतीकरण कार्य को किया है, जो कुछ विधुतीकरण कार्य का ७६

योगदान दिया है। इस विशेष अवसर शुद्ध-शुन्य कार्बन पविष्य की ओर ले

जाया जा सके। समारोह में कोर है महाप्रबंधक के साथ-साथ सम्मानित अधिकारी, कर्मचारी सदस्य और रेल विद्यतीकरण महिला कल्याण संघटन (रीबो) की अध्यक्षा श्रीमती बन्दन श्रीबास्तव एवं अन्य रीबो सदस्याये धी उपस्थित रहीं।

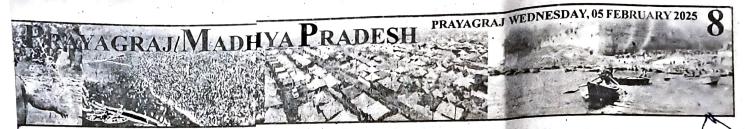
#### तीन फरवरी १९२५ को पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन चलाकर स्थापित किया था नया कीर्तिमान

पहिये के आविष्कार के साथ ही दुनिया भी प्रगति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने लगी। इस रफ्तार को नई दिशा सितम्बर १८२५ में दुनिया की पहली ट्रेन चला कर मिली। इसी क्रम में १६ अप्रैल १८५३ को वह दिन भी आया जब भारत में पहली बार ट्रेन चलाई गई। इसके करीब ७२ वर्षों बाद ३ फरवरी १९२५ में भारतीय रेल ने एक और अध्याय बोड़ते हुए पहली बार छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से कुर्ला मुम्बई तक बिजली से चलने बाली ट्रेन चलाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। अब साल २०२५ भारत में रेल विद्युतीकरण के १०० साल पूरे होने के साथ, भारत अपने ब्रांड गेज नेटबर्क के १०० प्रतिशत विद्युतीकरण के कगार पर है जो भारतीय रेल की उपलब्धियों में एक मील का पत्थर है। यह उपलब्धि भारत में पहली रेल यात्रा के समान ही एतिहासिक है तथा भारतीय रेल के विद्युतीकरण में एक सदी की प्रगति का प्रतीक है। ६० के दशक में तेल संकट के दौरान कई विद्यतीकरण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी, जिसके परिणामस्वरूप

फीसदी प्रतिनिधित्व करता है। पिछले १० वर्षी में, कोर ने विद्युतीकरण में अभूतपूर्व गति दिखाई है और अकेले ही २६,४४१ रूट किलोमीटर का विद्यतीकरण प्रदान किया गया. जो इस ऐतिहासिक महाप्रबंधक ने अपने संदेश में कहा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिसने

आइए हम पूर्ण विद्युतीकरण और ऊजी दशता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखें. जिससे भारतीय रेल को

कार्य करके भारतीय रेल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कोर परिवार के अधिकारियों और योगदान को रेखांकित करने के उद्देश्य ने रेल परिवहन को बदल दिया है। मील के पत्थर को संभव बनाया है। कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह के स्वरूप से आयोजित किया जा रहा है। कोर ने रेल विद्यतीकरण में तेजी लाने उपलब्धि की यादगार है। यह आयोजन कि 'हलेक्टिक टैक्शन के १०० वर्ष परे हरित पविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण



## Programme launched at CORE on Centenary Year of Rail Electrification

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: With the invention of the wheel, the world also started moving rapidly in the direction of progress. This speed got a new direction by running the world's firsttrain in September 1825. In this sequence, the day also came on 16 April 1853 when the first train was run in India. About 72 years later, on 3 February 1925, Indian Railways added another chapter and set a new record by running an electric train for the first time from Chhatrapati Shivaji Maharaj Terminus to Kurla, Mumbai. Now in the year 2025, with I the completion of 100 years of rail electrification in India. India is on the verge of 100 percent electrification of its broad gauge network which is a milestone in the achievements of Indian Railways. This achievement is as historic as the first

train journey in India and is a symbol of a century's progress in the electrification of Indian Railways.

"During the oil crisis in the 60s many electrification projects were sanctioned which resulted in the establishment of the CORE of Railway Electrification as an organisation in 1961 with the objective of electrifying the tracks of Indian Railways. Initially located in Kolkata the unit was called Project Office for Railway Electrification (PORE), the office of Central Organisation for Railway Electrification was set up in Allahabad in the year 1979 to take control of these projects. As more and more projects were sanctioned, new project offices were also set up. With the rapid electrification of Indian Railways in the 46 years since its inception, the CORE has



played a pivotal role in this work of 26,441 route endeavour and has executed electrification work of a total of 48,029 route kilometres, representing 76% of the total electrification work. In the last 10 years, the CORE has shown unprecedented pace in electrification and has contributed significantly to the development of Indian Railways by single-handedly completing electrification

kilometres.

To commemorate this centenary year the CORE of Railway Electrification, Prayagraj is undertaking various projects, is organizing the program. The program was inaugurated by Shri Sanjay Kumar Srivastava, General Manager / Core on 03 February 2025. This program was organized with great enthusiasm at the CORE Headquarters. As a symbol of celebration of 100 years of rail electric traction, colorful balloons were released in the sky, plants were distributed with the message of environmental protection, attractive and colorful rangoli was made, which depicted the historical journey of rail electric traction, cups, diaries and jute bags with the logo of 100 years were distributed to all the officers and employees of the CORE family as a souvenir, which is a commemoration of this historic achievement. This eyent is being organized with the aim of marking the centenary of rail electric traction and underlining its contribution to the development of railways. In his message, the General Manager said, "Completion of 100 years of Electric Traction is a proud moment for

Indian Railways and CORE. This remarkable journey has transformed rail transport. CORE has played a key role in accelerating rail electrification, which has contributed significantly towards a greener future. On this special occasion, I express my heartfelt gratitude to all the officers and staff whose dedication has made this milestone possible. Let us continue our commitment towards full electrification and energy efficiency, thereby taking Indian Railways towards a net-zero carbon future."

The ceremony was attended by the General Manager of CORL along with distinguished officers. staff members and Smt. Vandana Shrivastava, President, Rail Vidyutkaran Mahila Kalyan Sangathan (RIVO) and other RIVEO members.

## 3114 190-13-2-2025

# रेल विद्युतीकरणके शताब्दी वर्षपर कोर में पौधारोपण

भारतीय रेल में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन वातावरण बनाए रखने के महत्व के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में केन्द्रीय बारे में जागरूकता फैलाना है। इस



रेल विद्युततीकरण संघटन(कोर) में बीते तीन फरवरी को उद्घाटन समारोह के पश्चात विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसी क्रम में बुधवार को संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक/ कोर की अध्यक्षता में मुख्यालय प्रांगण में पौघारोपण अभियान का आयोजन किया गया।इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का देना और हरित पर्यावरण के अनुकूल

आयोजन में यतेंद्र कुमार-मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सहित एसएस नेगी मुख्य विद्युत इंजीनियर (पी एंड डी), आरएन सिंह प्रमुख मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर, तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे और मिलकर परिसर में पौधे लगाए, जिससे भारतीय रेलवे की कार्बन उद्देश्य पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा फुटप्रिंट को कम करने और हरियाली बढ़ाने की प्रतिबद्धता को बल मिलेगा।

## 24E G127-01 x 990-13-2-2025

# रेल विद्युतीकरण के शताब्दी वर्ष पर कोर में वृक्षारोपण का आयोजन

प्रयागराज।भारतीय रेल में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज दिनांक 03 फरवरी 2025 को उद्घाटन समारोह के पश्चात विभिन्न कार्यक्रम आयोजित



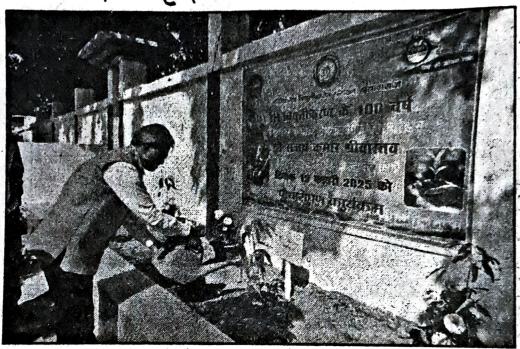
कर रहा है। इसी क्रम में दिनांक 12,02,2025 को श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक/कोर की अध्यक्षता में मुख्यालय, प्रांगण में पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरणीय स्थिरता

को बढ़ावा देना और हरित पर्यावरण के अनुकूल वातावरण बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना है। इस आयोजन में श्री यतेंद्र कुमार-मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सहित श्री एस. एस. नेगी-मुख्य

विद्युत इंजीनियर (ई%), श्री
आर. एन. सिंह-प्रमुख
मुख्य संवेष्ट्रत एवं
दूरसंचार इंजीनियर, तथा
अन्य अधिकारी व
कर्मचारी गण भी
उपस्थित रहे और मिलकर
परिसर में पौधे लगाए,
जिससे भारतीय रेलवे की
कार्बन फुटप्रिंट को कम
करने और हरियाली
बढ़ाने की प्रतिबद्धता को
बल मिलेगा।

## -21121121 x 790-13-2-2025

### रेल विद्युतीकरण के शताब्दी वर्ष पर कोर, में वृक्षारोपण का आयोजन



देना और हरित पर्यावरण के अनुकूल प्रतिबद्धता को बल मिलेगा।

प्रयागराज।भारतीय रेल में इलेक्ट्रिक वातावरण बनाए रखने के महत्व के ट्रैक्शन के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में बारे में जागरूकता फैलाना है। इस केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, आयोजन में यतेंद्र कुमार-मुख्य प्रयागराज दिनांक 03 फरवरी 2025 प्रशासनिक अधिकारी सहित श्री एस. को उद्घाटन समारोह के पश्चात विभिन्न एस. नेगी-मुख्य विद्युत इंजीनियर कार्यक्रम् आयोजित कर रहा है। इसी (ई३), श्री आर. एन. सिंह-प्रमुख क्रम में दिनांक 12.02.2025 को श्री मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर, संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक/ तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी कोर की अध्यक्षता में मुख्यालय प्रांगण गण भी उपस्थित रहे और मिलकर में पौधारोपण अभियान का आयोजन परिसर में पौधे लगाए, जिससे भारतीय किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का रेलवे की कार्बन फुटप्रिंट को कम उद्देश्य पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा करने और हरियाली बढ़ाने की

## Mot 2-1 a, 21 a152-2-13-2-2025

### संक्षेप

### रेल विद्युतीकरण के शताब्दी वर्ष पर हुआ वृक्षारोपण

जनसंदेश न्यूज प्रयागराज। भारतीय रेल में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज 03 फरवरी को उद्घाटन समारोह के पश्चात विभिन्न कार्यक्रम



आयोजित कर रहा है। इसी क्रम में 12.फरवरी को संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक कोर की अध्यक्षता में मुख्यालय प्रांगण में पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना और हरित पर्यावरण के अनुकूल वातावरण बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना है। इस आयोजन में यतेंद्र कुमार-मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सिहत एस. एस. नेगी-मुख्य विद्युत इंजीनियर, आर. एन. सिंह-प्रमुख मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर, तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी गण भी उपस्थित रहे और मिलकर परिसर में पौधे लगाए, जिससे भारतीय रेलवे की कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और हरियाली बढ़ाने की प्रतिबद्धता को बल मिलेगा।